

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर, सवाईमाधोपुर

पीठासीन अधिकारी—श्री भगवत सिंह देवल

67

अपील संख्या 73/16

तारीख रजू— 18/05/2016

शिवसिंह पुत्र गोपी जाति जाटव निवासी ग्राम रायपुर तहसील वजीरपुर जिला सवाई माधोपुर

— अपीलार्थी

बनाम

सरकार जरिये तहसीलदार, तहसील वजीरपुर

— रेस्पोंडेंट

निर्णय

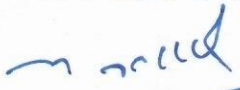
दिनांक—14/09/2016

अपीलार्थी ने यह अपील राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 75 के अन्तर्गत तहसीलदार, तहसील वजीरपुर के मिसल संख्या 577 में पारित निर्णय दिनांक 04/09/2015 जिसमें अपीलार्थी को अतिक्रमण करने का आदेश होना मानकर 30 दिवस के सिविल कारावास के दण्ड से दण्डित करने का आदेश पारित किया गया है के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।

अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेंट की तलबी जरिये सम्मन की गई तथा अपीलार्थी निर्णय से संबंधित पत्रावली तलब की गई। रेस्पोंडेंट की ओर से राजकीय पेंरोकार उपस्थित आये तथा अधीनस्थ न्यायालय की अपीलार्थी आदेश संबंधी पत्रावली प्राप्त होने पर बहस उभय पक्ष सुनी गई।

वकील अपीलार्थी ने अपील में वर्णित तथ्यों का हवाला देते हुए बहस में तर्क दिया कि अदालत मातहत ने अपीलार्थी को सुनवाई सबूत का अवसर दिये बिना अपीलार्थी निर्णय पारित किया है जो निरस्त किये जाने योग्य है। वकील अपीलार्थी ने बहस में यह भी कथन किया कि अदालत मातहत द्वारा जारी किये गये नोटिस पर अपीलार्थी की प्रोपर तामील नहीं हुई है व अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थी का मात्र खसरा नम्बर 191 रकबा 0.02 है 0 किरम गै0मु0चरागाह पर कब्जा माना है, जबकि उक्त चरागाह से लगते हुए अपीलार्थी के खेतों की भूमि है। पटवारी हल्का कई बार नाप-तौल की कहने के पश्चात् भी पटवारी हल्का द्वारा नाप-तौल नहीं की गई। पटवारी हल्का द्वारा यदि अपीलार्थी को नाप-तौल कर यह बताया जाता कि 0.02 है 0 चरागाह भूमि पर कब्जा है तो अपीलार्थी कभी भी उसे काश्त नहीं करता। अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर निर्णय अदालत मातहत निरस्त फरमाया जावे।

वकील अपीलार्थी द्वारा की गई बहस का खण्डन करते हुए पेंरोकार सरकार ने बहस में कथन किया कि अदालत मातहत ने अदालत हाजा के निर्णय दिनांक 4/09/15 की पालना में अपीलार्थी को सुनवाई सबूत का अवसर प्रदान कर अपीलार्थी निर्णय पारित किया है जिसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं है। अतः अपील अपीलार्थी खारिज फरमाई जावे।

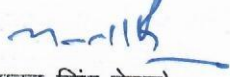
  
अतिरिक्त जिला कलेक्टर  
सवाई माधोपुर

6/28

विद्वान वकील अपीलार्थी व परोकार राज की बहस सुनने तथा अपीलार्थी द्वारा अपील में अंकित तथ्यों व अपीलाधीन आदेश संबंधी पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अदालत मातहत द्वारा आदेश जेरे अपील पारित करने से पूर्व अपीलार्थी अतिक्रमी को विधिवत रूप से सुनवाई सबूत प्रस्तुत करने हेतु सुनवाई तिथि के नोटिस जारी किये गये हैं अतः वकील अपीलार्थी का यह कथन की उसे सुनवाई सबूत प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान नहीं किया गया है मिथ्या है। अपीलार्थी ने उक्त आराजीयात 0.02 है० किस्म चरागाह की जानकारी नहीं होना बताया है। जबकि अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली में संलग्न मु०नं० 598 निर्णय दिनांक 19/09/14 द्वारा सम्वत् 2071 में भी अपीलान्त को उक्त आराजीयात पर अतिक्रमण होने के कारण पूर्व में भी बेदखल किया गया था। जिससे प्रतीत होता है कि अपीलान्त को उक्त चरागाह भूमि की जानकारी होने हुए भी अतिक्रमण करने का आदी है। अतः अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित किये गये निर्णय में कोई अनियमितता होना प्रतीत नहीं होता है।

अतः अपील अपीलान्त अस्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 04/09/15 यथावत रखा जाता है।

निर्णय आज दिनांक 14/09/2016 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(भगवत सिंह देवल)  
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,  
सवाईमाधोपुर